States with abject poverty

4390. DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Will the Minister of SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT be pleased to state:

(a) whether any systematic survey has been made to identify regions in different States where people are living in abject poverty and sub-human conditions; and

(b) if so, the details of such survey (s) and the action plan drawn up; if any, for the overall development of the regions?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT (SHRIMATI MANEKA GANDHI): (a) The Ministry of Rural Areas and Employment constituted a Committee in February, 1997, with the following terms of reference:—

(i) To recommend criteria for deciding 100 most backward and poorest districts in the country;

(ii) To identify such districts in various states, as per suggested criteria;

(iii) To suggest an appropriate definition of the term 'infrastructure development' and to identify the specific sectors to be included therein; and

(iv) any other relates issues.

The Committee submitted its report in November, 1997.

(b) A list of 100 most backward districts, as identified by the Committee and their respective population as per 1991 census is enclosed as statement (*see* below). The Report of the Committee is under consideration of Ministry of Rural Areas and Employment.

Statement

100 most Backward & poorest Districts (Statewise)	Population as per Census 1991
1	2
Bihar	
1. Nalanda	2003313
2. Bhojpur	2867318
3. Ranchi	2205034
4. Aurangabad	1537946
5. Jehanabad	1173071
6. Gaya	2665217
7. Nawada	1358433
8. Saran	2562930
9. Siwan	2159346
10. Gopalganj	1701365
11. Pachim Champaran	2330610
12. Purba Champaran	3042303
13. Sitamarhi	2388822
14. Muzaffarpur	2946601
15. Vaishali	2144252
16. Begusarai	1813214
17. Samastripur	2715297
18. Darbhanga	2509083
19. Madhubani	282.8640
20. Saharsa	2514751
21. Madhepura	1178060
22. Purnia	1876287
23. Katihar	1821590
24. Khagaria	986731
25. Munger	3055135
26. Bhagalpur	3198417
27. Godda	858678
28. Sahibganj	1297391
29. Dumka	1497266
30. Deoghar	918323
31. Giridih	2224006
32. Hazaribag	2838836
33. Palamu	2451048
34. Lohardaga	288585
35. Gumla	1153557
36. Pashmi Singhbum	1789796
37. Araria	1611145
38. Kishanganj	986672
Dadra & Nagar Haveli	
39. Dadra & Nagar Haveli	138401
Haryana	
40. Kaithal	818352
Himachal Pradesh	
41. Hamirpur	359322
Karnataka	
42. Bidar	1252333
Madhya Pradesh	
43. Tikamgarh	940609
44. Chhatarpur	1158853
45. Panna	684721
46. Sagar	1646198
47. Damoh	897544
48. Kargone	2028145
49. Khandva	1431662
50. Vidisha	971079
51. Sehore	840427
52. Raisen	877369
53. Betul	1180527
54. Hoshangabad	1265970
55. Narsimhapur	784523
56. Mandla	1291313

1	2
57. Chhindwara	1563332
58. Seoni	999762
59. Baiaghat	1362731
60. Rajnandgaon	1439524
61. Sarguja	2082630
Maharasthra	
62. Aurangabad	2209476
63. Jaina	1362546
64. Parbhani	2114770
65. Beed	1818499
66. Nanded	2326100
67. Osmanabad	1271870
68. Latur	1673070
69. Buldana	1881446
70. Gadchiroli	785626
71. Yavatmal	2077144
Orissa	
72. Phulbani	858553
73. Kalahandi	1591984
74. Koraput	2999903
75. Keonjhar	1337026
Rajasthan	
76. Dungarpur	874329
77. Banswara	1154964
Sikkim	
78. West Sikkim	97713
79. South Sikkim	99500
Uttar Pradesh	
80. Sitapur	2850059
81. Hardoi	2741486
82. Unnao	2198174
83. Rae Bareli	2320709
84. Jalaun	1217021
85. Lalitpur	745632
86. Hamirpur	1465707
87. Banda	1874541
88. Fatehpur	1893400
89. Pratapgarh	2211253
90. Bahraich	2757862
91. Bara Banki	2425309
92. Siddharthnagar	1706634
93. Maharajganj	1678131
94. Jhansi	1426984
95. Mau	1418872
96. Kanpur Dehat	2136534
West Bengal	
97. Kooch Bihar	2158169
98. Jalpaiguri	2789827
99. Maldah	2633942
100. Darjeeling	1335618

खनन उद्योग के संबंध में निवेश का प्रतिशत

4391. **श्री अखिलेश दास:** क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा भारतीय खनन उद्योग के संबंध में कितने प्रतिशत विदेशी निवेश हिस्सेदारी की स्वीकृति दी गई है;

(ख) इससे भारतीय खनन उद्योग किस सीमा तक सुदृढ़ होगा;

(ग) उन देशों के नाम क्या हैं जिनके साथ इस संबंध में समझौता किया गया; और

(घ) उनके द्वारा किन-किन राज्यों का चयन किया गया है?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रमेश बैस): (क) और (ख) भारतीय खनन क्षेत्र सीधे विदेशी निवेश के लिए 1993 में खोल दिया गया था। खनन परियोजनाओं में 50 प्रतिशत तक तथा खनन संबंधी सेवाओं में 74 प्रतिशत तक विदेशी खनन भागीदारी को स्वत: मंजूरी दी जाती है। सोना,चांदी, हीरा, बहुमूल्य तथा अर्धबहुमूल्य पत्थरों में विदेशी निवेश स्वत: माध्यम (आटोमेटिक रूट) से बाहर है। 100 प्रतिशत इक्विटी भागीदारी तक सीधे विदेशी निवेश सभी खनन/खनन संबंधी कार्यों के लिए अनुमत्य हैं तथा विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (एफआई पी बी) द्वारा मामला-दर-मामला के आधार पर मंजूरी दी जाती है। सोना, चांदी, हीरे, बहुमूल्य तथा अर्धबहुमूल्य पत्थरों में विदेशी इक्विटी भागीदारी संबंधी आवेदनों पर भी एफआई पी बी द्वारा विचार किया जाता है। एफआई पी बी स्वत: मंजूरी के अन्तर्गत न आने वाली खनन गतिविधियों में विदेशी निवेश संबंधी आवेदनों पर परियोजना का आकार, परियोजना लागत के लिए बाह्य संसाधनों की प्रतिबद्धता, खनन क्षेत्र में कम्पनी का ट्रैक रिकार्ड, परियोजना में अपनायी जाने वाली प्रौद्योगिकी का स्तर, कंपनी की वित्तीय शक्ति तथा भारतीय भागीदार की इक्विटी होल्डिंग का स्तर आदि मानदंडों पर आधारित योग्यता के आधार पर विचार करता है। विदेशी निवेश से घरेलू निवेश बढ़ने, भुगतान संतुलन सुधरने तथा खनन क्षेत्र में अद्यतन प्रौद्योगिकी को शामिल किए जाने की आशा है।

(ग) भारत सरकार ने भारतीय खनन क्षेत्र में निवेश के बारे में किसी देश के साथ कोई करार सम्पन्न नहीं किया है। तथापि एफआई पी बी ने खनन क्षेत्र में 18 देशों से कुल लगभग 3000 करोड़ रु. के सीधे विदेशी निवेश के 48 प्रस्तावों की मंजूरी दी है।